Airo International Research Journal
Volume XVII, ISSN: 2320 -3714
Impact Factor 0.75 to 3.19

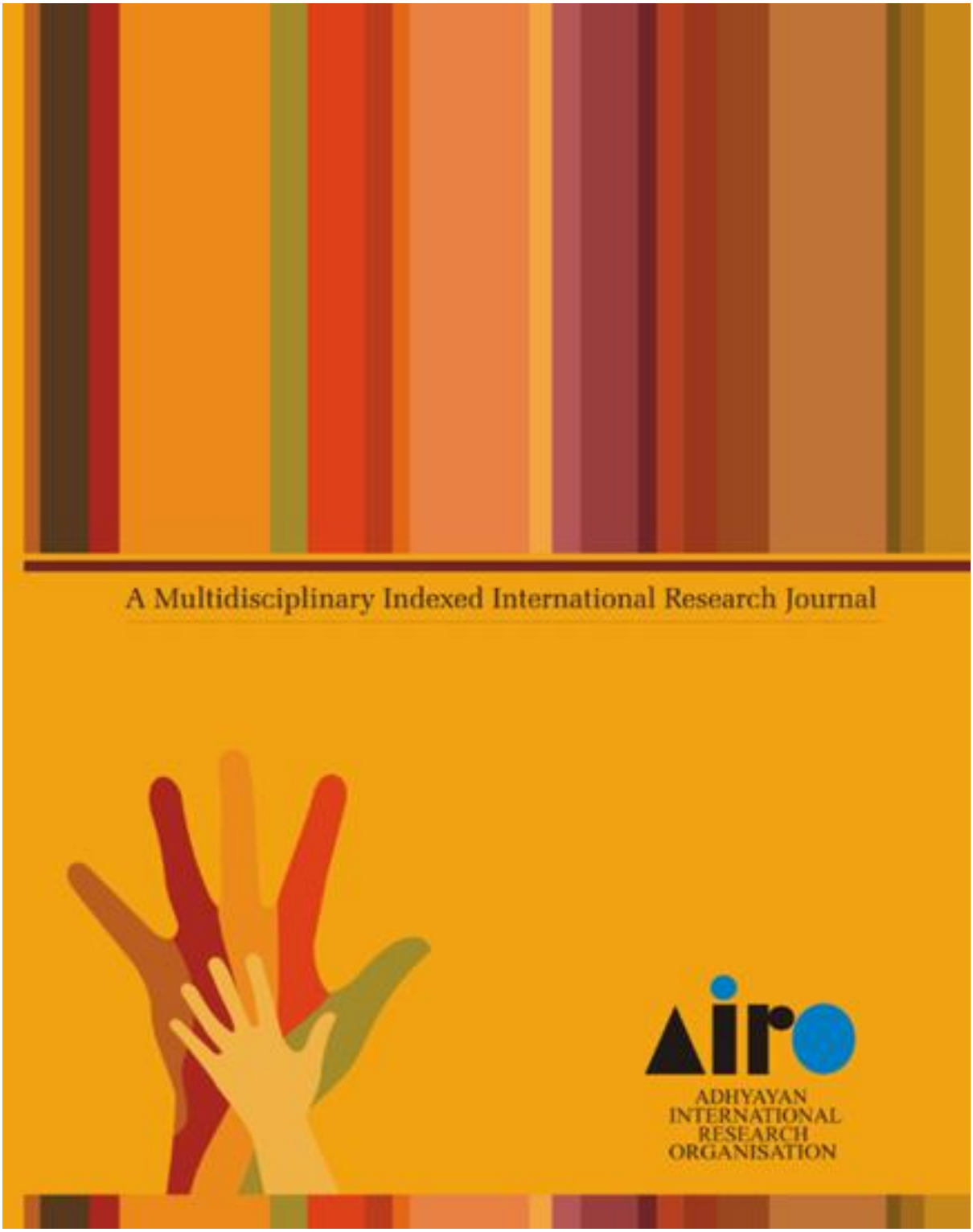

Airo International Research Journal
Volume XVII, ISSN: 2320 -3714
Impact Factor 0.75 to 3.19
March, 2018

उच्च आर्थिक स्थिती एवं निम्न आर्थिक स्थिती के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षणिक उपलब्धि पर पडने वाले प्रभाव का अध्ययन

राधिका भदौरिया
शोधार्थी, शिक्षा विभाग
आईसेक्ट विश्वविद्यालय, रायसेन (म.प्र.)

डॉ. सविता शर्मा
शोध निर्देशिका, शिक्षा संकाय
आईसेक्ट विश्वविद्यालय, रायसेन (म.प्र.)

सांराश

प्रस्तुत शोधपत्र में उच्च आर्थिक स्थिती एवं निम्न आर्थिक स्थिती के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षणिक उपलब्धि पर पडने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया। इस शोध कार्य में हमनें भिन्ड शहर के ४ विद्यालयों से ४० विद्यार्थियो को न्यादर्श के रूप में चुना है। जिसमें २० उच्च आर्थिक स्थिती के तथा २० निम्न आर्थिक स्थिती के विद्यार्थी है। आँकड़ों के संकलन के लिए उपकरण के रूप में मानसिक स्वास्थ्य मापनी के लिए स्वनिर्मित मानसिक स्वास्थ्य प्रश्नावली का प्रयोग किया गया एवं विद्यार्थी की शैक्षणिक उपलब्धि ज्ञात करने के लिए उनकी ११वीं कक्षा की अंकसूची का उपयोग किया गया। तथा आँकड़ों के संकलन के लिए सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। आँकड़ों के मूल्यांकन के लिए सांख्यिकी प्रविधि के रूप में मध्यमान, मानक विचलन, टी टेस्ट एवं सहसम्बन्ध का प्रयोग किया गया। आँकड़ों के मूल्यांकन से यह परिणाम प्राप्त होता हैं कि उच्च आर्थिक स्थिती एवं निम्न आर्थिक स्थिती के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं शैक्षणिक उपलब्धि मे सार्थक अन्तर होता है। एवं उच्च आर्थिक स्थिती एवं निम्न आर्थिक स्थिती के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं शैक्षणिक उपलब्धि में धनात्मक सहसम्बन्ध है। अर्थात् विद्यार्थियों के कमजोर या खराब मानसिक स्वास्थ्य का प्रभाव उनकी शैक्षणिक उपलब्धि पर नकारात्मक रूप से पड़ता है अतः प्रत्येक विद्यालय के प्रबंधक, शिक्षक एवं अविभावकों कों विद्यार्थियों के लिए विद्यालय एवं परिवार में खुशहाल एवं रूचिपूर्ण वातावरण का निर्माण करना चाहिए। जिससे विद्यार्थियों अपनी छूपी प्रतिभाओं को विकसित कर अपने लक्ष्यों की प्राप्ति कर सके।

मुख्यबिन्दुः- उच्च आर्थिक स्थिती तथा निम्न आर्थिक स्थिती के विद्यार्थी, मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षणिक उपलब्धि।

प्रस्तावनाः-

शिक्षा प्रकाश का वह स्त्रोत है जो जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में हमारा सच्चा पद-प्रदर्शन करती है। एक विद्वान का कथन है कि- "ज्ञान मनुश्य का तीसरा नेत्र है, जो उसे समस्त तत्वों के मूल को परखने की

क्षमता प्रदान करता है एवं उसे उचित व्यवहार करने में प्रवृत्त करता है।" शिक्षा से हमें इस संसार में सुख, समृद्धि एवं सुयश प्राप्त होता है तथा परलोक में मोक्ष। शिक्षा द्वारा प्राप्त प्रकाश से हमारे संयम को उन्मूलन एवं कठनाइयों का निवारण होता है और जीवन के वास्तविक महत्व को समझने की भावित उत्पन्न होती है। शिक्षा से हमें ऐसा सही दृस्टिकोण उपलब्ध होता है कि हम में बुद्धि, विवके तथा निपुणता की वृद्धि होती है।

मानसिक स्वास्थ्य :-

मानसिक स्वास्थ्य से तात्पर्य व्यक्ति के मन की उस स्वस्थ अवस्था से है जो उसे एक सम्पूर्ण एवं समग्र व्यक्तित्व के रूप में संतुलित एंव संयमित व्यवहार कर अपने आप से तथा अपने वातावरण के साथ प्रभावपूर्ण समायोजन करने में सहायता करती है।

शैक्षणिक उपलब्धिः- *"शैक्षणिक निष्पत्ति वार्षिक परीक्षा में विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त अंको का समग्र योग होता है। शैक्षणिक उपलब्धि किसी प्रमाणीकृत उपलब्धि परीक्षण पर व्यक्ति के प्राप्तांको को बताती है।"*

२. पूर्व शोध कार्यः-

टी.एस. बिन्दु और बी. वजिला (२०१४) *इन्होंने माध्यमिक स्कूल के विद्यार्थियों की संवेगात्मक परिपक्वता तथा शैक्षणिक उपलब्धि का अध्ययन किया। शोध के उद्देश्य माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के संवेगात्मक परिपक्वता के स्तर को ढूंढना तथा विद्यार्थियों की संवेगात्मक परिपक्वता तथा शैक्षणिक उपलब्धि के सम्बन्धों का अध्ययन करना था वर्ग-बद्धीय न्यादर्श तकनीकी के द्वारा माध्यमिक विद्यालय के ४०० विद्यार्थियों को चुना गया। शोध के निष्कर्ष में पाया कि- माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की संवेगात्मक परिपक्वता मध्य स्तर पर पाई गई, माध्यमिक विद्यालय के छात्र और छात्राओं की संवेगात्मक परिपक्वता में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया तथा विद्यार्थियों की संवेगात्मक परिपक्वता तथा शैक्षणिक उपलब्धि के बीच सार्थक सह-सम्बन्ध पाया गया।*

वर्मा कविता (२०१३) *ने माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षणिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव को जानना था। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया तथा न्यादर्श के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग जिले के वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों से ग्यारहवीं के १२० छात्रों को लिया गया। उन छात्रों पर सिंह और सेनगुप्ता द्वारा बनी १२० पदों की मानसिक स्वास्थ्य बैटरी का प्रयोग किया गया तथा भौक्षणिक उपलब्धि के लिए उनके १२वीं कक्षा के नम्बरों का प्रयोग किया गया। निष्कर्ष में निकला कि जिन छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य कम है उनकी शैक्षणिक उपलब्धि भी कम पाई गई। आर्थात् जो छात्र मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं हैं, उनकी रूचि पढ़ाई में कम है, इसलिए एक अध्यापक के लिए जरूरी है कि वह बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के बारे में जाने तथा अध्यापक के साथ-साथ माता-पिता तथा समुदाय परामर्शदाताओं को भी*

छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य का ज्ञान होना चाहिए। यह ज्ञान ही बच्चों को एक अच्छा स्वस्थपूर्ण वातावरण प्रदान कर सकता है।

अध्ययन के उद्देश्यः-

1) *उच्च आर्थिक स्थिती एवं निम्न आर्थिक स्थिती के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन करना।*

2) *उच्च आर्थिक स्थिती एवं निम्न आर्थिक स्थिती के विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।*

3) *उच्चतर विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं शैक्षणिक उपलब्धि में सहसम्बन्ध ज्ञात करना।*

3- शोध प्रविधि :-

अध्ययन की परिकल्पनाएँः-

1) *उच्च आर्थिक स्थिती एवं निम्न आर्थिक स्थिती के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य मे कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।*

2) *उच्च आर्थिक स्थिती एवं निम्न आर्थिक स्थिती के विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि मे कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।*

3) *उच्च आर्थिक स्थिती एवं निम्न आर्थिक स्थिती के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं शैक्षणिक उपलब्धि मे कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं होता है।*

शोध विधि :-

प्रस्तुत शोध कार्य में हमनें भिन्ड शहर के ४ विद्यालयों से ४० विद्यार्थियो को न्यादर्श के रूप में चुना है। जिसमें २० उच्च आर्थिक स्थिती के तथा २० निम्न आर्थिक स्थिती के विद्यार्थी है। आँकड़ों के संकलन के लिए उपकरण के रूप में मानसिक स्वास्थ्य मापनी के लिए स्वनिर्मित मानसिक स्वास्थ्य प्रश्नावली का प्रयोग किया गया एवं विद्यार्थी की शैक्षणिक उपलब्धि ज्ञात करने के लिए उनकी ११वीं कक्षा की अंकसूची का उपयोग किया गया। तथा आँकड़ों के संकलन के लिए सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। आँकड़ों के मूल्यांकन के लिए सांख्यिकी प्रविधि के रूप में मध्यमान, मानक विचलन टी टेस्ट एवं सहसम्बन्ध का प्रयोग किया गया।

4- परिकल्पनाओं का विश्लेषण :-

परिकल्पना क्रमांक - १

उच्च आर्थिक स्थिती एवं निम्न आर्थिक स्थिती के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य मे कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।

सारणी क्रमांक १.

समूह			संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता
१.	उच्च आर्थिक स्थिती	विद्यार्थी	२०	४९.६५	२.७३	५.५	सार्थक अन्तर है
	निम्न आर्थिक स्थिती		२०	४२.९५	४.०७		
२.	उच्च आर्थिक स्थिती	बालक	१०	४९.६०	२.४५	४.७	सार्थक अन्तर है
	निम्न आर्थिक स्थिती		१०	४१.००	४.२१		
३.	उच्च आर्थिक स्थिती	बालिकाऐं	१०	४९.७०	३.१२	३.३	सार्थक अन्तर है
	निम्न आर्थिक स्थिती		१०	४४.९०	२.९६		

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि उच्च आर्थिक स्थिती के विद्यार्थियों, बालक एवं बालिकाओं के मानसिक स्वास्थ्य का मध्यमान कमशः ४९.६५, ४९.६०, ४९.७० तथा निम्न आर्थिक स्थिती के विद्यार्थियों, बालक एवं बालिकाओं के मानसिक स्वास्थ्य का मध्यमान कमशः ४२.९५, ४१.००, ४४.९० है। उच्च आर्थिक स्थिती के विद्यार्थियों, बालक एवं बालिकाओं के मानसिक स्वास्थ्य का मानक विचलन कमशः २.७३, २.४५, ३.१२ तथा निम्न आर्थिक स्थिती के विद्यार्थियों, बालक एवं बालिकाओं के मानसिक स्वास्थ्य का मानक विचलन कमशः ४.०७, ४.२१, २.९६ है। अन्तर की सार्थकता के लिए निकाले गए क्रान्तिक अनुपात का मान कमशः ५.५, ४.७, ३.३ है जो ०.०१ विश्वास के स्तर के लिए न्यूनतम निर्धारिक मान २.०२ (३८) , २.०९ (१८) से अधिक है। अतः इन दोनो समूहों में सांख्यिकी दृष्टिकोण से सार्थक अन्तर है। अतः हम कह सकते हैं कि उच्च आर्थिक स्थिती एवं निम्न आर्थिक स्थिती के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य मे सार्थक अन्तर होता है।

आरेख क्रमांक : १

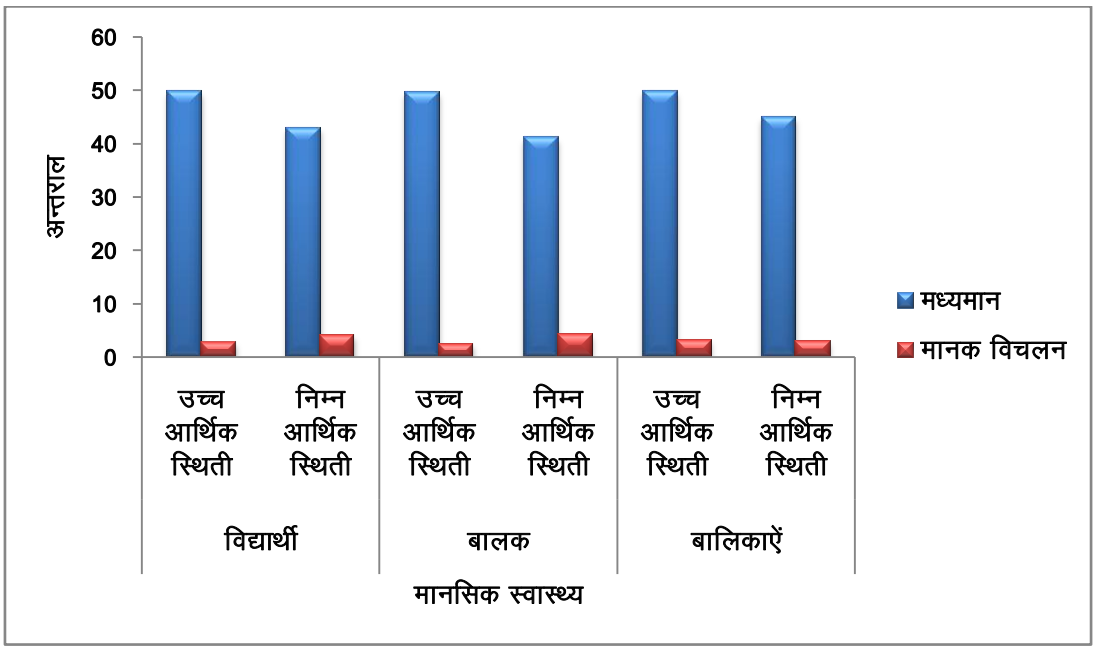

परिकल्पना क्रमांक - २

उच्च आर्थिक स्थिती एवं निम्न आर्थिक स्थिती के विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि मे कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।

सारणी क्रमांक : २

समूह			संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता
१.	उच्च आर्थिक स्थिती	विद्यार्थी	२०	८४.३५	६.४०	३.८	सार्थक अन्तर है
	निम्न आर्थिक स्थिती		२०	७६.४०	६.०२		
२.	उच्च आर्थिक स्थिती	बालक	१०	८४.९०	४.३३	२.११	सार्थक अन्तर है
	निम्न आर्थिक स्थिती		१०	८१.२०	३.२९		
३.	उच्च आर्थिक स्थिती	बालिकाऐं	१०	८३.८०	८.१८	३.७	सार्थक अन्तर

	निम्न आर्थिक स्थिती		90	07.60	3.83		है

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि उच्च आर्थिक स्थिती के विद्यार्थियों, बालक एवं बालिकाओं के शैक्षणिक उपलब्धि का मध्यमान कमशः ८४.३५, ८४.९०, ८३.८० तथा निम्न आर्थिक स्थिती के विद्यार्थियों, बालक एवं बालिकाओं के शैक्षणिक उपलब्धि का मध्यमान कमशः ७६.४०, ८१.२०, ७१.६० है। उच्च आर्थिक स्थिती के विद्यार्थियों, बालक एवं बालिकाओं के शैक्षणिक उपलब्धि का मानक विचलन कमशः २.७३, २.४५, ३.१२ तथा निम्न आर्थिक स्थिती के विद्यार्थियों, बालक एवं बालिकाओं के शैक्षणिक उपलब्धि का मानक विचलन कमशः ४.०७, ४.२१, २.९६ है। अन्तर की सार्थकता के लिए निकाले गए क्रान्तिक अनुपात का मान कमशः ३.८, २.११, ३.७ है जो 0.01 विश्वास के स्तर के लिए न्यूनतम निर्धारिक मान २.०२ (३८), २.०९ (१८) से अधिक है। अतः इन दोनो समूहों में सांख्यिकी दृष्टिकोण से सार्थक अन्तर है। अतः हम कह सकते हैं कि उच्च आर्थिक स्थिती एवं निम्न आर्थिक स्थिती के विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि मे सार्थक अन्तर होता है।

आरेख क्रमांक : २

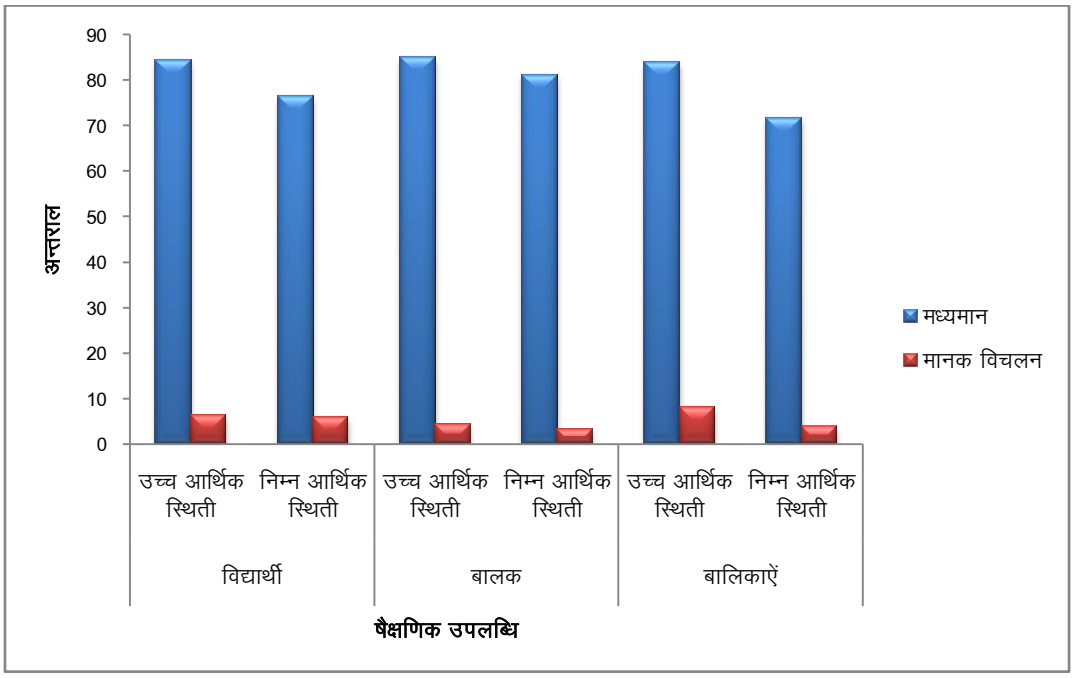

परिकल्पना क्रमांक - 3

उच्च आर्थिक स्थिती एवं निम्न आर्थिक स्थिती के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं शैक्षणिक

Airo International Research Journal
Volume XVII, ISSN: 2320 -3714
Impact Factor 0.75 to 3.19 March, 2018

उपलब्धि मे कोई सार्थक सहसम्बन्ध नहीं होता है।

सारणी क्रमांक : 3

चर		संख्या	मध्यमान	सारणीमान	सहसम्बन्ध गुणांक	सार्थकता 0.05 स्वर
उच्च एवं निम्न	मानसिक स्वास्थ्य	४0 विद्यार्थी	४६.30	.303	.30९	सार्थक सहसम्बन्ध
	शैक्षणिक उपलब्धि		८0.30			
उच्च आर्थिक स्थिती	मानसिक स्वास्थ्य	२0 बालक	४९.६५	.४४४	.४४९	सार्थक सहसम्बन्ध
	शैक्षणिक उपलब्धि		८४.3५			
निम्न आर्थिक स्थिती	मानसिक स्वास्थ्य	२0 बालिकाऐं	४२.९५	.४४४	.४७3	सार्थक सहसम्बन्ध
	शैक्षणिक उपलब्धि		७६.४0			

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं शैक्षणिक उपलब्धि के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक ;तद्ध .30९, .४४९, ४७3 है। जबकि कर्ि 3८, 1८ पर 0ण्0५ स्तर पर सारणीमान .30९, ४४९,४७3 है। इस प्रकार परिकलित मान सारणीमान से अधिक है। अतः सहसम्बन्ध सार्थक है। इस प्रकार कह सकते हैं कि उच्च आर्थिक स्थिती एवं निम्न आर्थिक स्थिती के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं शैक्षणिक उपलब्धि में धनात्मक सहसम्बन्ध है।

परिणाम :- प्रस्तुत अध्ययन से यह परिणाम प्राप्त होता हैं कि उच्च आर्थिक स्थिती एवं निम्न आर्थिक स्थिती के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं शैक्षणिक उपलब्धि मे सार्थक अन्तर होता है। एवं उच्च आर्थिक स्थिती एवं निम्न आर्थिक स्थिती के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं शैक्षणिक उपलब्धि में धनात्मक सहसम्बन्ध है। अर्थात् विद्यार्थियों के कमजोर या खराब मानसिक स्वास्थ्य का प्रभाव उनकी ौक्षणिक उपलब्धि पर नकारात्मक रूप से पड़ता है अतः प्रत्येक विद्यालय के प्रबंधक, शिक्षक एवं अविभावकों को विद्यार्थियों के लिए विद्यालय एवं परिवार में खुशहाल एवं रूचिपूर्ण वातावरण का निर्माण करना चाहिए। जिससे विद्यार्थियों अपनी छूपी प्रतिभाओं को विकसित कर अपने लक्ष्यों की प्राप्ति कर सके।

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

- **मंगल एस.के. (२००९).** *"शिक्षा मनोविज्ञान", नई दिल्ली प्रिन्टेस हॉल ऑफ इण्डिया।*

- **शर्मा आर.ए. (२००६).** *"शैक्षणिक अनुसन्धान", मेरठ आर लाल बुक डिपो ५२८.*

- **सरीन एवं स्टीन (२००५).** *"शैक्षणिक अनुसंधान विधियाँ", विनोद पुस्तक मंदिर।*

- **पाठक पी.डी. (२००५).** *"शिक्षा मनोविज्ञान", विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।*

- **टी.एस. बिन्दु और बी. वजिला (२०१४).** *माध्यमिक स्कूल के विद्यार्थियों की संवेगात्मक परिपक्वता तथा शैक्षणिक उपलब्धि का अध्ययन।*

- **वर्मा कविता (२०१३).** *माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य का उनकी शैक्षणिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव।*